हैविकोरो

दोनों देशों के संबंधों की खुशबू

आलेख: दीपांजली काकाती, चित्र: हेमंत भटनागर

पहली निगाह में वे लोग औसत नौजवान लगते हैं- कूल्हों पर से सरकती जाती पैंटें, ढीलीढाली टी-शर्टें और संगीत के दीवाने। लेकिन मंच पर आते ही नट-बाजीगरों की तरह शरीर को असंभव ढंग से मरोड़ते वे श्रोता- दर्शकों को अपनी हिप-हॉप धुनों पर नाचने के लिए मजबूर कर देते हैं।

जून में अमेरिकी नृत्यमंडली हैविकोरो के रिक कामार्गो, डी जे 'कॉम्प वन' जोस हर्नांडेज, जोयल मार्टिनेज़, अमान्दो 'लिल जॉन' रामिरेज और कर्क बीचर ने अपने खास टेक्सास शैली के हिपहॉप की बानगी भारत में प्रस्तुत की। छलांगे लगाते, शरीर को मोड़ते, एड़ियों या पंजों के बल चकरियों की तरह घूमते इन गायकों ने उत्तर प्रदेश में नोएडा के सेंटरस्टेज मॉल में 1500 दर्शकों को झुमा दिया। नॉर्दर्न इंडिया ट्रेडिंग कंपनी की कर्मचारी 24 साल की टीना राय का कहना था, ''बहुत ही शानदार है यह और भारत में खूब चलेगा, और जैसा कि दिख ही रहा है नौजवानों के लिए यह बहुत बढ़िया है।''

बाएं: हिप हॉप कलाकार रिक कैमार्गो और जोयल मार्टिनेज नोएडा, उत्तरप्रदेश के सेंटर स्टेज मॉल में भारतीय नृत्य के कुछ गुर सीखते हुए।
दाएं: स्पैन की प्रधान संपादक कोरिना सैंडर्स हैविकोरो दल के साथ।

हैविकारो ने डांसवर्क्स परफॉर्मिंग आर्ट्स कम्पनी के साथ नई दिल्ली के ब्लू बैल्स स्कूल में समकालीन नृत्य के छात्रों के लिए एक कार्यशाला भी आयोजित की। उनके भारतीय दौरे के प्रायोजक थे स्पैन, सैंटरस्टेज मॉल और 93.5 रैड एफएम।

हैविकारो ऐसे युवाओं का समूह है जिन्होंने अपनी ऊर्जा को अपराध और मादक पदार्थों में झोंकने के बजाए नृत्य में अभिव्यक्त करना चुना। उन्होंने सकारात्मक फैसला लिया और आज अपने धड़कते-फड़कते नृत्य के माध्यम से वह यह संदेश संसार के युवा वर्ग तक पहुंचा रहे हैं। नई दिल्ली के इंस्टीट्यूट

हैविकोरो के जोयल मार्टिनेज ने अपनी खास प्रस्तुति हेलिकॉप्टर स्पिन में ऐसा कमाल दिखाया कि नोएडा, उत्तर प्रदेश के सेंटर स्टेज मॉल में युवा दर्शक वाह-वाह कह उठे। इस कार्यक्रम को स्पैन, सेंटर स्टेज मॉल और 93.5 रेड एफएम ने प्रायोजित किया। बाएं: जॉस हर्नांदेज ने डीजे की ड्यूटी निभाई।

ऑफ इंजीनियर्स के 21 वर्षीय छात्र इमामुद्दीन ने कहा,'' ये युवाओं के बीच बहुत बढ़िया संदेश ले जा रहे हैं। हैविकोरो ने बहुत बढ़िया प्रस्तुति दी है, उनकी मेहरबानी से हमें मंच पर पहली बार प्रस्तुति दे रहे भारतीयों की छिपी प्रतिभा के भी दर्शन हो गए।'' हैविकोरो ने कई युवा दर्शकों को मंच पर आमंत्रित किया। दिल्ली पब्लिक स्कूल की 18 वर्षीय छात्रा सुरभि डावर का कहना था,''इन जबर्दस्त हिप हॉपर्स के साथ डांस करने का मौका मेरे लिए तो सपना सच होने जैसी बात है! मामला एकतरफा नहीं रहा- बदले में दर्शकों ने भी हैविकोरो को भांगड़े के गुर सिखाए।

हैविकोरो का सफर शुरू हुआ करीब दस साल पहले जब ब्लास पेरेरा ने एक फ्रीस्टाइल डांस ग्रुप कोरो (नाइट्स ऑफ द रिद्म ऑडिसी) की शुरूआत की। कुछ सदस्य छोड़ जाते- कुछ नए लोग जुड़ जाते, लेकिन नृत्य दल की विविध प्रस्तुतियों ने इसे टेक्सास की सबसे सम्मानित मंडलियों में एक बनाए रखा। 1990 के दशक के आखिरी सालों में हैविक बी बॉयज नाम का दल कोरो को हर प्रतियोगिता में कड़ी टक्कर देने लगा। वैसे तो दोनों दलों के रिश्ते दोस्ताना थे लेकिन कभी-कभी गर्मागर्मी हो ही जाती थी।

2000 में डल्लास में हुई 'आउट ऑफ फेम' प्रतियोगिता में कोरो विजयी रहा और सेमीफाइनल के लिए उन्हें शिकागो जाने का मौका मिला। स्कूल की पढ़ाई के कारण उनका एक नर्तक जाने में असमर्थ था, तब हैविक का एक सदस्य उनकी मंडली के साथ गया। यूं हैविकोरो मंडली का जन्म हुआ। पिछले पांच सालों से हैविकोरो के सदस्य टैक्सास के सबसे बड़े सार्वजनिक स्कूल संगठन ह्यूस्टन इंडिपेंडेंट स्कूल डिस्ट्रिक्ट से हिपहॉप प्रशिक्षकों के तौर पर जुड़े हैं।

हिपहॉप की शुरूआत 1970 के दशक में ब्रॉंक्स, क्वीन्स और ब्रुकलिन इलाकों के अफ्रीकी-अमेरिकी समुदाय ने की। इसके चार प्रमुख अंग हैं- एम्सीइंग(रैपिंग), डीजेइंग, ग्राफ़िटी और ब्रेक डांसिंग। डिस्क जॉकियों ने तालवाद्यों वाले हिस्से को फंक और डिस्को गीतों से अलग करके हिपहॉप नाम की नई शैली तैयार की। 1980 के दशक में यह मुख्यधारा के नृत्य में गिना जाने लगा। 90 के दशक में इसकी लोकप्रियता दूसरे देशों में भी फैल गई। □

(रिपोर्टिंग में सहयोगी: शालिनी वर्मा और कासिम रजा)

RED
FM 93.5